

आदर्श कॉलेज राजधनवार, गिरिडीह

B. A

विषय - हिन्दी

समसत्र - ५th

पत्र - D.S.E - 4

सहायक प्राध्यापक (अनु०) - सनीज कुमार महतो

1

प्रश्न - भाषा और लिपि में अंतर स्पष्ट करें।

उत्तर :- भाषा और लिपि दोनों अलग होती हैं। भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम अपने भाव-विचार को अभिव्यक्त करते हैं। वही भाषा के लिए निर्धारित ध्वनि-संकेतों को लिखते हैं, तो वह लिपि कहलाती है। भाषा और लिपि का मूलभूत आधार मानव मुख से उच्चरित ध्वनियाँ हैं। इन दोनों में मुख्य अंतर निम्न लिखित है:-

भाषा	लिपि
i. भाषा में ध्वनियाँ प्रत्यक्ष रूप में व्यक्त होती हैं।	i. लिपि में ध्वनियाँ दृश्य रूप ले लेती हैं।
ii. भाषा मौखिक रूप में व्यक्त होती है।	ii. लिपि लिखित रूप में व्यक्त होती है।
iii. भाषा समय और स्थान के दायरे में बंधी रहती है।	iii. लिपि के द्वारा हजारों वर्ष बाद भी कथ्य का रसा-स्वादन किया जा सकता है।
iv. भाषा का प्रयोग शिक्षित व अशिक्षित व्यक्ति समान रूप से करते हैं।	iv. लिपि का प्रयोग शिक्षित व्यक्ति ही कर सकते हैं।
v. भाषा का प्रभाव तुरंत पड़ता है।	v. लिपि का प्रभाव विलंब से पड़ता है।

*

*

*

प्रश्न - देवनागरी लिपि के उद्भव और विकास पर संक्षिप्त में प्रकाश डालें।

उत्तर :- भाषा की दृश्य रूप में स्थायित्व प्रदान करने वाले वर्ण प्रतीकों की व्यवस्थित समूह को लिपि कहते हैं। देवनागरी लिपि एक व्यवस्थित लिपि है। यह हिन्दी तथा अन्य आर्यभाषाओं की लिपि है। अपनी वैज्ञानिक दृष्टि के कारण यह संसार के लिपियों में विशिष्ट स्थान रखती है। देवनागरी लिपि का विकास ब्राह्मी लिपि से हुई है। यह एक ऐसी लिपि है जिसमें एक ध्वनि को व्यक्त करने के लिए एक ही चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

लिपियों के विकास में जो क्रम मिलता है उसमें सबसे पहले चित्र लिपि, सूत्र लिपि, प्रतीकात्मक लिपि तथा अक्षरात्मक लिपि से होते हुए वर्णात्मक लिपि का विकास हुआ। देवनागरी लिपि एक अक्षरात्मक लिपि है क्योंकि इसके सारे व्यंजन श्वरो के साथ ही उच्चरित होता है। भारत में लिपि के विकास परंपरा में ब्राह्मी लिपि को प्रस्थान बिंदु माना जाता है। इसी की परंपरा में आगे चलकर देवनागरी लिपि का विकास हुआ। ब्राह्मी लिपि अपने युग की सर्वाधिक वैज्ञानिक लिपि थी। ब्राह्मी लिपि के दो रूप प्रचलित रहे हैं - उत्तरी ब्राह्मी और दक्षिणी

ब्राह्मी । उत्तरी ब्राह्मी से भारतीय लिपियों का विकास हुआ तथा दक्षिणी ब्राह्मी से द्रविड परिवार की लिपियों का विकास हुआ ।

उत्तरी ब्राह्मी से ही गुप्त काल में गुप्त लिपि विकसित हुई और जब यह साधारण प्रयोग में टेढ़े मेढ़े अक्षरों से युक्त हो गई तो इसे कुटिल लिपि कहा जाने लगा । कुटिल लिपि से दो प्रकार की परंपराएँ विकसित हुईं - कुश्मीर के पंडितों ने इस कुटिल लिपि को 'शारदा लिपि' कहा । कुश्मीर के अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों (में) जैसे - महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश आदि क्षेत्रों में कुटिल लिपि से विकसित होने वाले लिपि को प्राचीन नागरी लिपि कहा गया । प्राचीन नागरी लिपि से ही देवनागरी लिपि का पूर्णतः विकास हुआ ।

देवनागरी लिपि सहज और सरल लिपि है । इस लिपि में जो लिखा जाता है, वही पढ़ा जाता है । यह लिपि बायें से दायें की ओर लिखी जाती है । यह हिंदी भाषा की लिपि ही नहीं बल्कि संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, नेपाली, मराठी आदि भाषाओं की लिपि है । देवनागरी लिपि में प्रत्येक वर्ण का एक ही उच्चारण होता है । यह वैज्ञानिक गुणों से युक्त लिपि है ।

*

*

*

ॐ

वस्तुनिष्ठ

1. लिपि क्या है ?
क. भाषा
ख. लिखने की विधि
ग. बोली
घ. इनमें से कोई नहीं।
उत्तर - ख. लिखने की विधि

2. देवनागरी लिपि की विकास किस लिपि से हुई है ?
क. ब्राह्मी लिपि
ख. खरोष्ठी लिपि
ग. शारदा लिपि
घ. इनमें से कोई नहीं।
उत्तर - क. ब्राह्मी लिपि

3. हिन्दी भाषा किस लिपि में लिखी जाती है ?
क. रोमन
ख. फारसी
ग. देवनागरी
घ. बंगला
उत्तर - ग. देवनागरी

4. इनमें से कौन सी भाषा देवनागरी लिपि में नहीं लिखी जाती है ?
क. हिन्दी
ख. मराठी
ग. नेपाली
घ. अंग्रेजी
उत्तर - घ. अंग्रेजी

5. उर्दू भाषा किस लिपि में लिखी जाती है ?
क. रोमन
ख. फारसी
ग. देवनागरी
घ. इनमें से कोई नहीं।
उत्तर - ख. फारसी

